



## विशेष कविता (Special Hindi Poem)

[Source: www.brahma-kumaris.com](http://www.brahma-kumaris.com) (Main Website) | [www.bkgoogle.com](http://www.bkgoogle.com) (BK Google)

### • सरलचित्त स्वभाव से सफलता

सर्वस्व त्याग है ब्राह्मण जीवन का मूल संस्कार  
त्याग है सरलता और सहनशीलता का आधार

सरल और सहनशील ही आकर्षणमूर्त कहलाते  
सरलचित्त बनने वाले सबको सरलचित्त बनाते

अपनी वाणी और कर्म में तुम सार को समाओ  
जो कुछ सुनो और देखो उसमें सार ही उठाओ

हर बात में जब खुद को आलराउण्ड बनाओगे  
हर कमी को अपने बुद्धि से पूरा जब मिटाओगे

सरलता के गुण का जब सेम्पल बनते जाओगे  
तब औरों को भी सरल पुरुषार्थी बना पाओगे

ज्ञानी होकर रूहानी बच्चे का संस्कार जगाओ  
ऐसे फॉलो फादर करके सरलचित्त बन जाओ

अपना हाँ जी का पार्ट जितना पक्का बनाओगे  
अपने संस्कार उतने ही तुम सरल बना पाओगे

सरलता और सहनशीलता ही शीतलता लाती  
यही विशेषता कठिन कार्य को सहज बनाती

मनसा वाचा कर्मणा में खुद को सरल बनाओ  
इसी विशेषता से सबको फरिश्ता नजर आओ

सरलता के संग खुद को शक्ति स्वरूप बनाओ  
सहनशीलता के संग सामने की शक्ति जगाओ

स्तुति को अपनी स्थिति का आधार ना बनाओ  
अपनी स्थिति से स्तुति लायक खुद को बनाओ

सरलता का स्वभाव समेटने की शक्ति दिलाता  
समेटने के संग संग सामना करना भी सिखाता

व्यर्थ संकल्प मिटाकर हमें सबका प्रिय बनाता  
सच्चाई सफाई के संग जीवन में मधुरता लाता

सरलता से जीवन में स्पष्टता और श्रेष्ठता आती  
यही विशेषताएं बच्चों तुम्हें बाप समान बनाती

\* ॐ शांति।

by: BK Mukesh bhai - [bkmukesh1973@gmail.com](mailto:bkmukesh1973@gmail.com)

For More Poems, visit – [www.bkofficial.com/poems-hindi](http://www.bkofficial.com/poems-hindi)



**OR** scan this QR code with your phone camera ->